Seventeenth Loksabha

>

Title: Need for conservation of 'Khejri' tree in Rajasthan.

*m01

श्री देवजी पटेल (जालौर) : राजस्थान का गौरव व कल्प वृक्ष खेजड़ी दिनों दिन लुप्त हो रही है । मरूस्थल में खेजड़ी किसानों की सबसे बड़ी सहयोगी बनी हुई है । खेजड़ी की पत्तियों से जैविक खाद बनता है । खेजड़ी का वृक्ष जेठ के महीने में भी हरा रहता है । गर्मी में जब रेगिस्तान में जानवरों के लिए धूप से बचने का कोई सहारा नहीं होता तब यह पेड़ छाया देता है । वहीं इसका फल सांगरी सब्जी बनाने में उपयोग आता है और अकाल के समय खेजड़ी की कोमल पत्तियों को पशुओं के आहार के रूप में उपयोग लिया जाता है । संरक्षण के अभाव में खेजड़ी के पुराने पड़े धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं वहीं नए पौधे भी नहीं पनप रहे हैं । ऐसे में खेजड़ी की प्रजाति पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है । खेजड़ी अज्ञात बीमारी के कारण दिनों-दिन विलुप्त होती जा रही है ।